तापमान
अधिकतम 31.5 डिग्री
न्यूनतम 16.8 डिग्री

हरिभूमि
बेमेतरा भूमि
रायपुर, बुधवार 17 जून 2026

18 नए सत्र के पहले दिन बच्चों को पगड़ी पहनाकर ...

16 प्राकृतिक एवं जैविक खेती पर कार्यशाला

खबर संक्षेप

बिजली दर वृद्धि वापस लेने की मांग, शिवसेना ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ में बिजली दरों में की गई वृद्धि के विरोध में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर बढ़ी हुई दरों को तत्काल वापस लेने की मांग की है। पार्टी के प्रदेश महासचिव दाऊ राम चौहान ने कहा कि बिजली दरों में बढ़ोतरी से मध्यम वर्ग, गरीब परिवार, किसान और छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। ज्ञापन के माध्यम से जिला कलेक्टर को अवगत कराया गया कि छत्तीसगढ़ ऊर्जा उत्पादन के मामले में समृद्ध राज्य है, इसके बावजूद बिजली दरों में की गई वृद्धि आम जनता के हितों के विपरीत है। शिवसेना ने कहा कि महंगाई से जूझ रहे परिवारों के लिए बढ़ा हुआ बिजली बिल असहनीय साबित हो रहा है। वहीं किसानों की उत्पादन लागत बढ़ने और लघु एवं कुटीर उद्योगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका भी जताई गई। पार्टी ने मांग की है कि बिजली दरों में की गई वृद्धि को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए तथा आम उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए बिजली बिल हाफ योजना एवं सब्सिडी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाया जाए। दाऊ राम चौहान ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने जनहित में यह फैसला वापस नहीं लिया तो शिवसेना पूरे प्रदेश में लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रदेश महासचिव दाऊ राम चौहान, जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष रामचरण वर्मा तथा नांदघाट ब्लॉक प्रमुख बाबूलाल साहू सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

बिजली दर वृद्धि जनता पर बोझ, कांग्रेस करेगी घेराव : आशीष छाबड़ा

बेमेतरा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने प्रदेश में घरेलू बिजली दरों में प्रति यूनिट 50 पैसे तक की बढ़ोतरी का विरोध करते हुए इसे आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बताया है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारें महंगाई पर नियंत्रण करने में विफल रही हैं और लगातार बढ़ती कीमतों से आम लोगों की परेशानियां बढ़ रही हैं। छाबड़ा ने कहा कि पहले से ही पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों से लोग प्रभावित हैं, वहीं अब बिजली दरों में वृद्धि ने आम उपभोक्ताओं की चिंता और बढ़ा दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश के कई क्षेत्रों में नियमित विद्युत आपूर्ति नहीं हो पा रही है और लोगों को घंटों बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। इसके चलते विद्युत उपकरण भी खराब हो रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ रहा है। कांग्रेस नेता ने स्मार्ट मीटर व्यवस्था और बिजली बिलों में बढ़ोतरी को लेकर भी सरकार की आलोचना ▶▶| शेष पेज 17 पर

डीजल संकट और बढ़ती कीमतों से किसान परेशान, खेती-किसानी पर बढ़ा आर्थिक बोझ

जुताई और बुवाई की तैयारी प्रभावित, ट्रैक्टर संचालकों की बढ़ी चिंता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा/नारायणपुर

ग्राम पंचायत नारायणपुर सहित क्षेत्र में इन दिनों लागातार बढ़ते पेट्रोल और डीजल के दामों का अब सीधा असर किसानों की खेती -किसानी पर पड़ रही है। जहां पेट्रोल डीजल की किल्लत, एवं राशनिंग एवं वाहनों में ही डीजल देने के आदेश से कृषकों एवं कृषि कार्य में लगे ट्रैक्टर मालिकों के लिए बड़ी समस्या खड़ी हो गई है।

जहां सरकारी आदेश कृषि कार्य की गति को प्रभावित कर रही है। ऐसे में ग्राम से पेट्रोल पंप तक टैक्टर के आने -जाने में ही सैकड़ों लीटर डीजल की खपत हो जा रही है। वही वर्तमान में खेतों की जुताई का काम चल रही है, जहां अधिकांश लोग ट्रैक्टरों से जुताई का कार्य कराते हैं, इसके लिए ट्रैक्टर मालिकों को पर्याप्त डीजल नहीं मिल रहा है। पंपों में डीजल देने की मात्रा तय कर दी है, जिससे टैक्टर चालकों को कार्य छोड़कर बार-बार डीजल के लिए पेट्रोल पंपों में आना पड़ रही है।

ग्राम से पेट्रोल पंप तक आने-जाने में ही ट्रैक्टर के सैकड़ों लीटर डीजल की खपत हो जा रही हैं। जिन ग्रामों से पेट्रोल पंपों की दूरी अधिक है, वह के टैक्टर मालिकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा रहा है, वहीं किसानों का कहना है कि बरसात से पहले खेतों की तैयारी का समय बेहद महत्वपूर्ण होता है।

उत्पादन और किसानों की आय में पड़ेगा असर

ऐसे में समय पर काम पूरा करने के लिए टैक्टर का उपयोग करना जरूरी हो जाता है, लेकिन महंगे डीजल ने खेती की लागत को काफी बढ़ा दिया है, इससे छोटे और मध्यम वर्ग के किसान सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। जिससे खेती किसानी के लिए ट्रैक्टर का उपयोग मुख्य रूप से जमीन समतलीकरण, जुताई और बुवाई की तैयारी के लिए किया जाता है। लेकिन ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण किसान अब अपने संसाधनों को सीमित तरीके से उपयोग करने के लिए नए-नए उपाय अपना रहे हैं। ग्रामीण व किसानों का कहना है कि यदि डीजल और पेट्रोल की कीमतों पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले समय में खेती की लागत और बढ़ जाएगी। जिसका सीधा असर कृषि उत्पादन और किसानों की आय पर पड़ेगा।

समस्या : विकास के नाम पर विनाश बदहाल सड़कों से बढ़ा हादसों का खतरा

जल जीवन मिशन की पाइपलाइन ने उजाड़ी 62 गांवों की सड़कें, 70.47 करोड़ की जलप्रदाय योजना पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

ग्रामीणों के घरों तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना बेमेतरा जिले के बेरला विकासखंड में गंभीर विवादों और जनाक्रोश के केंद्र में आ गई है।

- पेयजल पहुंचाने की महत्वाकांक्षी परियोजना बनी ग्रामीणों की परेशानी

लगभग 70 करोड़ 47 लाख रुपये की लागत से संचालित समूह जल प्रदाय योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने का कार्य तो तेजी से किया जा रहा है, लेकिन इसके लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत नहीं होने से 62 गांवों के हजारों ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र की अनेक सड़कें जगह-जगह उखड़ चुकी हैं, बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं और बरसात के मौसम से पहले ही दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि परियोजना का उद्देश्य भले ही सराहनीय हो, लेकिन निर्माण एजेंसी और संबंधित विभाग की लापरवाही ने विकास कार्य को लोगों के लिए संकट में बदल दिया है। करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और लोक निर्माण विभाग की सड़कों को पाइपलाइन विस्तार के लिए खोदने के बाद उन्हें तकनीकी मानकों के अनुरूप पुनर्स्थापित नहीं किया गया। नतीजतन सड़कें धंसने लगी हैं और कई मार्गों की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। सड़कों की बदहाली का सबसे ज्यादा असर दोपहिया वाहन चालकों और स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार कई ▶▶| शेष पेज 17 पर

62 गांवों तक पानी पहुंचाने की योजना, लेकिन रास्ते हुए बदहाल

जानकारी के अनुसार ग्राम खम्हरिया स्थित शिवनाथ नदी से जल संग्रहण कर सिरसा में निर्माणाधीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के माध्यम से 62 गांवों तक पेयजल पहुंचाने की योजना पर कार्य जारी है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत एक इंटकवेल, एक जल शोधन संयंत्र तथा तीन ओवरहेड टैंकों का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही गांव-गांव तक मुख्य और सहायक पाइपलाइन बिछाई जा रही है। पाइपलाइन विस्तार के दौरान अनेक गांवों में पक्की सड़कों को लंबी दूरी तक काटा गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि खुदाई के बाद सड़कों की मरम्मत के लिए निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया गया। सड़क की बेस परत को पुनः मजबूत करने और डामरीकरण करने के बजाय केवल मिट्टी और मुरम डालकर कार्य पूरा मान लिया गया। यही कारण है कि कुछ ही समय में सड़कें उखड़ने और धंसने लगीं।

बरसात में और बिगड़ सकती है स्थिति

क्षेत्र में मानसून की सक्रियता शुरू होने वाली है। ऐसे में जिन सड़कों की खुदाई के बाद केवल मिट्टी और मुरम डाली गई है, वहां पानी भरने और कटाव की आशंका बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि तकनीकी मानकों के अनुरूप सड़कों का पुनर्निर्माण नहीं किया गया तो बरसात के दौरान कई मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। ग्रामीणों को डर है कि भारी बारिश के बाद आवागमन बाधित हो जाएगा और गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से टूट सकता है। इससे न केवल दैनिक जीवन प्रभावित होगा बल्कि आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं और स्कूली बच्चों की आवाजाही पर भी असर पड़ेगा। ग्रामीणों का आरोप है कि जल जीवन मिशन के कार्यों के दौरान करोड़ों रुपये की लागत से बनी सरकारी सड़कों को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित जिन सड़कों का उद्देश्य ग्रामीण संपर्क को मजबूत करना था, वे आज जगह-जगह टूट चुकी हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि निर्माण एजेंसी को सड़क खोदने की अनुमति दी गई थी तो उसकी पुनर्बहाली ▶▶| शेष पेज 17 पर

अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन पर पुलिस-खनिज विभाग की कड़ी नजर

जिलेभर में सघन जांच अभियान जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए बेमेतरा पुलिस एवं खनिज विभाग द्वारा संयुक्त रूप से व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के विभिन्न नदी रेत घाटों, खनिज क्षेत्रों एवं संवेदनशील स्थानों पर नियमित पेट्रोलिंग के साथ सघन जांच की जा रही है।

पुलिस एवं खनिज विभाग की टीम जिले के चप्पे-चप्पे पर नजर बनाए हुए है और संदिग्ध गतिविधियों की लगातार निगरानी कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार ग्राम बहेरघट, परपोडा, जौंग तथा मउ के रेत घाटों सहित अन्य संभावित क्षेत्रों में विशेष निगरानी व्यवस्था की गई है। अवैध उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए पुलिस बल की तैनाती भी की गई है। टीमों को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाए। पुलिस ▶▶| शेष पेज 17 पर

आमजन से सहयोग की अपील

बेमेतरा पुलिस ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा है कि यदि कहीं भी अवैध खनिज उत्खनन, भंडारण या परिवहन की जानकारी प्राप्त हो तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस अथवा संबंधित विभाग को दें। नागरिकों के सहयोग से अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है तथा प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

अभियान रहेगा निरंतर जारी

पुलिस एवं खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनिज गतिविधियों के विरुद्ध यह विशेष अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेगा। कानून का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी और जिले में अवैध उत्खनन तथा परिवहन को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

साइबर अपराधों की रोकथाम और त्वरित शिकायत निवारण पर पुलिस अधिकारियों को मिला प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव के मार्गदर्शन में पुलिस कार्यालय

- जिले के थाना-चौकी प्रभारियों, सीसीटीएनएस संचालकों एवं प्रशिक्षु उप निरीक्षकों की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

बेमेतरा के सभाकक्ष में जिले के थाना एवं चौकी प्रभारियों, सीसीटीएनएस संचालकों तथा प्रशिक्षु उप निरीक्षकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल की शिकायत निवारण प्रणाली तथा धन वापसी प्रबंधन प्रणाली के उपयोग, संचालन एवं शिकायतों के त्वरित निराकरण संबंधी विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पोर्टलों के संचालन में आने वाली तकनीकी समस्याओं के समाधान, शिकायतों के प्रभावी निस्तारण तथा समन्वित टीम भावना के साथ कार्य करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही साइबर अपराधों से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई, आंकड़ों के प्रबंधन और डिजिटल अभिलेखों के सुरक्षित रखरखाव पर विशेष जोर दिया गया। तकनीकी रूप से सक्षम होना समय की मांग डीआईजी साहू कार्यशाला को संबोधित करते हुए पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू ने कहा कि आधुनिक तकनीकी युग में प्रत्येक पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी ▶▶| शेष पेज 17 पर

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर सख्त, 7 दिन में शिकायतों के निराकरण के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने सोमवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक

- योजनाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को चेताया, लक्ष्य पूर्ति और सुशासन पर दिया जोर

समय-सीमा (टीएल) बैठक में केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में उन्होंने अधिकारियों को शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी विभाग प्रमुख नियमित फील्ड भ्रमण कर जमीनी स्तर पर कार्यों की निगरानी करें। बैठक में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास तथा राजस्व विभाग की योजनाओं की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों पर नाराजगी जताते हुए कलेक्टर ने कहा कि केवल औपचारिक जवाब देकर प्रकरणों को बंद करना स्वीकार्य नहीं होगा। शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत मिलना ही निराकरण का उद्देश्य है। उन्होंने सभी विभागों को सात दिवस के भीतर लंबित शिकायतों और आवेदनों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए तथा चेतावनी दी कि खराब प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित नल-जल योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने और वर्षा ऋतु से पहले पेयजल व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश ▶▶| शेष पेज 17 पर

राजस्व मामलों में तेजी लाने पर जोर

बैठक में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, नक्शा सुधार सहित लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी एसडीएम और तहसीलदारों को समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में लोग राजस्व संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन पर निर्भर रहते हैं, इसलिए इन मामलों में संवेदनशीलता और तत्परता जरूरी है।

मरम्मत के अभाव में सड़क पर गहरे गड्ढे, भारी वाहनों के दबाव से बढ़ा खतरा

खारुन नदी पर बना बेरलाकला एनीकट जर्जर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

बेरला विकासखंड के अंतिम छोर पर खारुन नदी पर निर्मित बेरलाकला एनीकट की बदहाल स्थिति क्षेत्र के लोगों के लिए चिंता का विषय बन गई है। तांदुला जलसंसाधन संभाग दुर्ग के अधीन आने वाला यह एनीकट वर्षों से रखरखाव और मरम्मत के अभाव में जर्जर हो चुका है। एनीकट की ऊपरी सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे बन गए हैं तथा बजरी पूरी तरह उखड़ चुकी है, जिससे आवागमन जोखिम भरा हो गया है।

- ग्रामीणों ने जीर्णोद्धार की मांग की

यह एनीकट बेमेतरा और आसपास के अंतरजिला क्षेत्रों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। प्रतिदिन भारी वाहनों के आवागमन के कारण इसकी स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। सड़क की दुर्दशा से दर्जनों गांवों के ग्रामीणों, किसानों, विद्यार्थियों और व्यापारियों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि एनीकट का निर्माण कई दशक पहले किया गया था, लेकिन इसके बाद से नियमित मरम्मत और संरक्षण की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई। सड़क के अलावा एनीकट से जुड़ी अन्य तकनीकी संरचनाएं भी धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त हो रही हैं, जिससे भविष्य में किसी बड़े हादसे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। स्थानीय लोगों ने जलसंसाधन विभाग और प्रशासन से तत्काल निरीक्षण कर एनीकट के जीर्णोद्धार की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते मरम्मत कार्य नहीं कराया गया तो एनीकट पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो सकता है, जिससे दर्जनों गांवों का संपर्क टूट जाएगा और लोगों को लंबा वैकल्पिक मार्ग अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि लंबे समय से मांग किए जाने के बावजूद जिम्मेदार विभाग और प्रशासन इस गंभीर समस्या के प्रति उदासीन बने हुए हैं। अब ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर एनीकट की मरम्मत और सुदृढ़ीकरण कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी बड़े नुकसान और आवागमन बाधित होने की स्थिति से बचा जा सके।

स्कूल प्रवेश उत्सव के दिन बदहाल दिखी व्यवस्थाएं बच्चों के हाथों में थमाई गई झाड़ू शौचालयों में गंदगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| थानखम्हरिया

नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ मंगलवार को नगर के विभिन्न विद्यालयों में स्कूल प्रवेश उत्सव मनाया गया। जहां एक ओर विद्यार्थियों के स्वागत और नामांकन बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किए गए, वहीं दूसरी ओर कई विद्यालयों में अव्यवस्थाओं का आलम देखने को मिला।

- अव्यवस्थाओं ने खोली दावों की पोल

जिस दिन बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया जाना था, उसी दिन कुछ स्थानों पर विद्यार्थियों के हाथों में झाड़ू थमा दी गई और सफाई कराई गई। नगर के आत्मानंद विद्यालय, भारत माता कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सहित अन्य शैक्षणिक संस्थानों का निरीक्षण किए जाने पर कई गंभीर कमियां सामने आईं। विद्यालय परिसरों और शौचालयों में गंदगी फैली हुई थी। कुछ स्थानों पर शौचालयों में खाली शराब की बोतलें, गोबर तथा कचरा पड़ा मिला, जिससे स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए।

स्कूल प्रवेश उत्सव के दौरान विद्यालय ▶▶| शेष पेज 17 पर

खबर संक्षेप

डिजिटल रिकॉर्ड अपडेट नहीं होने से किसान परेशान, ऋण और राजस्व कार्य प्रभावित

परपोड़ी। साजा तहसील के पटवारी हल्का नंबर 14 एवं 18 के अंतर्गत आने वाले गांवों के किसान राजस्व रिकॉर्ड के डिजिटल संधारण में देरी से परेशान हैं। पटवारी हल्का नम्बर 14 में केहका, चोरभट्ठी, बिरनपुर ग्राम शामिल है। पटवारी हल्का नम्बर 18 में ग्राम खैरी, कोरवाय, लोलेसरा, पिपरिया शामिल है। किसानों का आरोप है कि नामांतरण, बंटवारा एवं अन्य राजस्व प्रकरणों के निराकरण के बाद भी डिजिटल रिकॉर्ड समय पर अपडेट नहीं होने से उन्हें दस्तावेजों की नकल, फसल ऋण, बीमा और अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के हजारों किसानों को सहकारी समितियों से मिलने वाला ब्याज मुक्त कृषि ऋण भी डिजिटल रिकॉर्ड के आधार पर स्वीकृत होता है। रिकॉर्ड अपडेट नहीं होने से किसानों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इस संबंध में पटवारी ने कहा कि किसानों के रिकॉर्ड का संधारण किया जा रहा है। यदि किसी किसान का विशेष प्रकरण लंबित है तो उसकी जानकारी देने पर उसका निराकरण किया जाएगा।

अड्डेबाजी करने वाले पर हुई कार्रवाई, भेजा जेल

भिलाई। ऑपरेशन विश्वास के तहत पुलिस अभियान चलाकर खुले में शराब सेवन और अड्डेबाजी करने वाले 121 पर कार्रवाई की गई है। इसमें तीन अवैध शराब बेचने वालो को पकड़ा गया है। आरोपियों के पास से 91 पौवा अवैध शराब,बेचने के रकम 1,370 रुपये समेत 10,470 रुपये की संपत्ति जप्त की गई। पुलिस ने नशाखोरी, अड्डेबाजी, सार्वजनिक स्थलों पर शराब सेवन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। मुखबिर सूचना पर पुलगांव, चौकी अंजोरा, रानीतराई में पृथक-पृथक दबिश देकर अवैध शराब के 3 आरोपियों को पकड़ा है।

फैक्ट्री में घुसकर केबल वायर चोरी करने वाला पकड़ाया

भिलाई। फैक्ट्री के भीतर घुसकर केबल वायर चोरी करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जामुल पुलिस ने बताया कि बी.एस. इंटरप्राईजेस कंपनी में घुसकर वेल्डिंग केबल, वेल्डिंग लीड,कंट्रोल पैनल चोरी करने वाल तेल्हा नाला के पास, सुलभ शौचालय एचएससीएल कॉलोनी, छावनी निवासी विनोद ठाकुर को पकड़ा गया। उसके पास से 4 किलो वेल्डिंग केबल3,200 रुपये का जब्त किया है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी को पकड़ा है। शिकायत वैशाली नगर निवासी सरबजीत सिंह ने पुलिस से चोरी के बाद किया था। आरोपी से पूछताछ में स्वीकार किया कि फैक्ट्री के भीतर घुसकर उक्त सामान को चोरी किया है।

5 मवेशियों के साथ आरोपी पकड़ाया

भिलाई। पांच मवेशियों के साथ पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। धमधा पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर सफेद रंग का वाहन बोलेरो मैक्स पिकअप वाहन एमएच एजे 3531 महाराष्ट्र पासिंग को रोका गया। जिसमें पांच मवेशियों को परिवहन कर बेरला क्षेत्र से धमधा होते हुए कत्लखाने लेकर जा रहे थे। चालक चिचटोला, पोस्ट बड़गांव बालाघाट एमपी निवासी दुर्गेश घोरमारे को पकड़ा गया।

शाला प्रवेशोत्सव : किताबें वितरित कर व मिठाई भी बांटी गई, नवप्रेशी बच्चों का स्वागत भी

नए सत्र के पहले दिन बच्चों को पगड़ी पहनाकर तिलक लगाकर किया पारम्परिक तरीके से स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

शाला प्रवेशोत्सव 2026 के अवसर पर शासकीय प्राथमिक शाला बीजागोड़ में नवप्रवेशी बच्चों का अनूठे एवं पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। हमारे छत्तीसगढ़ में पगड़ी की एक विशेष परम्परा और महत्व होता है। इसी से प्रेरित होकर बीजागोड़ विद्यालय परिवार द्वारा बच्चों को छ्तीसगढ़िया पगड़ी पहनाकर एवं तिलक लगाकर सम्मानपूर्वक अभिनंदन किया गया। इस अभिनव पहल से बच्चों में विद्यालय के प्रति अपनत्व एवं उत्साह का वातावरण निर्मित हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों, पालकों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। सभी ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। बच्चों को पाठ्य सामग्री एवं मिठाई वितरित कर उनके पहले दिन को यादगार बनाया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक विशेषर नेताम ने बताया कि शाला प्रवेशोत्सव का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना तथा विद्यालय में आनंददायक एवं सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना है। पगड़ी पहनाकर स्वागत करने की इस नवाचारी पहल की पालकों एवं ग्रामीणों ने सराहना की। पगड़ी से बच्चे छ्तीसगढ़ी संस्कृति को भी जान पायेंगे। बच्चों का प्रथम दिवस यादगार बनाने के लिए पालकों ने शाला परिवार को शुभकामनायें दी। नवाचारी शिक्षिका चंदा सिन्हा ने बताया कि इस प्रकार के नवाचारी कार्यक्रमों से जनप्रतिनिधियों एवं पालकों का विद्यालय के प्रति आकर्षण बढ़ता है। कार्यक्रम प्रधानपाठक विशेषर नेताम, संकुल समन्वयक मनीराम श्रीवास, मुकेश वर्मा प्रधानपाठक भरदालोधी, अजय यादव प्राथमिक शाला मुंगलाटोला, विनोद गंधर्व, रसोइया बहनों ग्रामीणजनों के साथ बहुतायत में बच्चे उपस्थित रहे।

तिलक और मिठाई से हुआ विद्यार्थियों का स्वागत, नए सत्र की हुई शुरुआत

बेमेतरा। नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 की शुरुआत के साथ विद्यालयों में उत्साह और उमंग का वातावरण देखने को मिला। इसी क्रम में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, मटका में नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। नवीन सत्र के प्रथम दिवस विद्यालय पहुँचे विद्यार्थियों का भारतीय संस्कृति के अनुरूप तिलक लगाकर, एवं मीठा खिलाकर आत्मीय स्वागत किया गया, जिससे बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। विद्यालय परिसर में उत्साह, उल्लास एवं नवीन ऊर्जा का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत विद्यार्थियों को निःशुल्क गणवेश एवं पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी जी.आर. चतुर्वेदी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी कामिनी महिलांग, डीएमसी नकुल प्रसाद पनागर तथा बीआरसीसी राजेंद्र कुमार साहू द्वारा विद्यार्थियों को पुस्तकें प्रदान की गईं। जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र के विकास का आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर अध्ययन करने तथा अपने माता-पिता एवं शिक्षकों का सम्मान करने का आग्रह किया। अन्य अतिथियों ने भी विद्यार्थियों को नवीन शैक्षणिक सत्र की शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में प्रभारी प्रधानपाठक सौखिलाल पोर्ते शिक्षिका श्रीमती ज्योति बनाफर एवं विद्यालय परिवार के सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय परिवार ने संकल्प लिया कि नवीन शैक्षणिक सत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नैतिक मूल्यों के विकास तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

बच्चों की आरती कर, तिलक चंदन लगाकर, मिठाई खिलाकर स्वागत किया

बेमेतरा। शासकीय प्राथमिक शाला अकोला में शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया। सर्वप्रथम सुबह प्रार्थना सभा में राष्ट्रगान, राष्ट्रीय गीत, दीप मंत्र, सरस्वती वंदना, गुरु मंत्र एवं महापुरुषों के जीवनी में महात्मा गांधी जी के जीवन परिचय से बच्चें अवगत हुए। नवप्रवेशी बच्चों के साथ ही सभी बच्चों के यादों को संजोने के उद्देश्य से विभिन्न रंगों का समायोजन कर उनके हथेली का छाप लिए, आरती थाल सजाकर तिलक लगाकर मुँह मीठा कर बच्चों का स्वागत अभिनन्दन किये। प्रधान पाठक हिम कल्याणी सिन्हा बच्चों को कम्बाइन कॉपी, पेन्सिल रबड़ और पहाड़ा प्रदान की, पुस्तक वितरण किये सभी बच्चें बहुत ख़ुश हुए। इस अवसर पर सहायक शिक्षक हेमलता ठाकुर, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रोमन सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष जगाधर साहू, रामकुवर ठाकुर, उमा साहू, मीना यादव उपस्थित रही।

■ अकोला स्कूल में पुस्तक वितरण कर प्रवेश उत्सव मनाया

प्राथमिक शाला डीहपारा, बासीन में हर्षोल्लास के साथ शाला प्रवेश उत्सव

बेमेतरा। नवप्रवेशी बच्चों के स्वागत के उद्देश्य से विकासखंड साजा अंतर्गत प्राथमिक शाला डीहपारा, बासीन में मंगलवार को शाला प्रवेश उत्सव हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नए बच्चों का शत- प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना, उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना तथा पालकों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत बुधवारा के सरपंच गुलमीर मोहम्मद मुख्य अतिथि तथा शासकीय प्राथमिक शाला डीहपारा बासीन के प्रधान पाठक गोपी चरण साहू अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। वहीं स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के अध्यक्ष, पालकगण, शिक्षकगण एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए। उत्सव के दौरान नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का रोली-तिलक लगाकर, फूलमाला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत किया गया।

कक्षा पहली में प्रवेश लेने वाले बच्चों को शासन द्वारा प्रदत्त निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण मुख्य अतिथि के हाथों कराया गया। प्रधान पाठक गोपी चरण साहू ने पालकों को बच्चों की नियमित उपस्थिति, मध्यान्ह भोजन योजना, छात्रवृत्ति एवं शिक्षा विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान /"एक बच्चा-एक पेड़/" अभियान के तहत विद्यालय परिसर में अतिथियों एवं बच्चों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि गुलमीर मोहम्मद ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि "बच्चे देश का भविष्य हैं। उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना समाज और परिवार दोनों की साझा जिम्मेदारी है।" उन्होंने विद्यालय परिवार को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए पालकों से बच्चों की नियमित पढ़ाई सुनिश्चित करने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में शिक्षिका सीमा रानी देवांगन ने उपस्थित अतिथियों, पालकों एवं ग्रामवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। विद्यालय प्रबंधन समिति एवं जनभागीदारी के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में ग्राम के 6 वर्ष पूर्ण कर चुके सभी बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया गया, जिससे उत्सव की सफलता और भी सार्थक बन गई।

■ नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर किया स्वागत, पाठ्यपुस्तक वितरण के साथ हुआ पौधारोपण

शाला प्रवेश उत्सव में छात्राओं का हुआ भव्य स्वागत

बेमेतरा। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम कन्या शाला में आयोजित शाला प्रवेश उत्सव उत्साह से संपन्न हुआ, कार्यक्रम में नवप्रवेशित छात्राओं का तिलक लगाकर एवं पुष्प भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी ने छात्राओं को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों एवं गणवेश का वितरण कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रज्ञा निर्वाणी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य कर रही है। सरकार की छात्र हितैषी योजनाओं के कारण दूर-दराज के क्षेत्रों के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो रही है, प्रज्ञा निर्वाणी ने कहा कि शिक्षा ही वह शक्ति है जो समाज और राष्ट्र के भविष्य को दिशा देती है तथा प्रत्येक छात्रा को अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर परिश्रम करना चाहिए। कार्यक्रम में जिले के नवपदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे,उन्होंने विद्यार्थियों को नए शैक्षणिक सत्र की शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यालयों के समग्र विकास के लिए विभाग की प्रतिबद्धता दोहराई।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के साथ आयोजित न्योता भोज में भी प्रज्ञा निर्वाणी ने सहभागिता निभाई तथा विद्यार्थियों के साथ बैठकर भोजन किया,इस आत्मीय पहल ने छात्राओं एवं अभिभावकों के बीच विशेष उत्साह का वातावरण निर्मित किया।इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की सक्रिय पदाधिकारी पिंकी नेमा, विद्यालय परिवार, शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

प्रवेशोत्सव के साथ नए शिक्षण सत्र का शुभारंभ विद्यार्थियों का तिलक लगाकर किया स्वागत

देवकर। विकासखंड साजा अंतर्गत आने वाले शासकीय बालक पूर्व माध्यमिक शाला में ग्रीष्मकालीन अवकाश के पश्चात 16 जून मंगलवार को नवीन शिक्षण सत्र का प्रारंभ प्रवेशोत्सव के साथ किया गया। इस अवसर पर समस्त उपस्थित बच्चों का स्वागत तिलक लगाकर मुंह मीठा करा कर किया गया। मध्यान्ह भोजन के अतिरिक्त प्रवेशोत्सव के विशेष अवसर पर सभी बच्चों को खीर-पूड़ी का वितरण भी किया। संस्था के प्रधान पाठक अनुपम अग्रवाल ने सभी बच्चों का स्वागत करते हुए उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने और सक्रिय रूप से गतिविधियों में भाग लेने के आव्हान के साथ आशीर्वचन प्रस्तुत किया साथ ही संकुल प्राचार्य महेश कुमार साहू द्वारा बच्चों को प्रेरक वचन कहे गए। प्रवेशोत्सव के इस गरिमामय आयोजन में संस्था की शिक्षिकाओं गोपिका ठाकुर, मीरा मिश्रा, श्रद्धा ताम्रकार गणमान्य नागरिक जितेन्द्र राजपूत के साथ मध्यान्ह भोजन संचालन समूह पत्रकारगणों की भी गरिमामय उपस्थिति रही।।

सिंघौरी स्कूल में हर्षोल्लास के साथ प्रारंभ हुआ नया शिक्षा सत्र

बेमेतरा। शासकीय हाई एंव पूर्व माध्यमिक शाला सिंघौरी में नयी शिक्षा सत्र का आगाज बड़ी हर्षोल्लास के साथ किया गया। शाला का प्रारंभ प्रार्थना स्थल पर राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, दीपमंत्र,सरस्वती मंत्र सहित गुरुमंत्रोच्चारण के साथ किया गया।ततपश्चात कार्यक्रम पर युगल देवांगन अध्यक्ष (भाजपा शहर मंडल), डॉ विनय साहू(महामंत्री) सहित नारद साहू अध्यक्ष (एसएमसी) के द्वारा नवप्रवेशी बच्चों को गुलाल से तिलक लगाकर एंव मुंह मीठा कराकर स्वागत किया गया।युगल देवांगन ने बच्चों को अपने संबोधन में नियमित स्कूल आने एंव गुरुजनों का आदर एंव माता पिता का सम्मान करने एंव अच्छी से पढ़ाई करके शिक्षक, डॉक्टर, इंजीनियर बनने का आशीर्वाद दिया।इस अवसर पर संजय प्रसाद प्यासी प्राचार्य, सरस्वती साहू प्रधान पाठक,धनीराम बंजारे संकुल समन्वयक, शशिकला यादव,देवेंद्र साहू,नुतेश्वर चंद्राकर, प्रशांत बघेल, रामगोपाल चंद्राकर,राजेश गायकवाड़,प्रतिभा,सरिता बंजारे,दीपिका साहू, राजेश नामदेव,किरण खरे,पूनम साहू,साजन वर्मा सहित बच्चे उपस्थित रहे।

विधायक दीपेश साहू ने किया लोकार्पण, हाईमास्ट लाइट का भी शुभारंभ

निषाद समाज को मिली 15 लाख रुपए के सामुदायिक भवन की सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

नगर पालिका परिषद अंतर्गत निषाद समाज के लिए निर्मित नवीन सामुदायिक भवन का लोकार्पण मंगलवार विधायक दीपेश साहू के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। 15 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस भवन के साथ क्षेत्र में बेहतर प्रकाश व्यवस्था हेतु हाईमास्ट लाइट की भी स्थापना की गई है। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद बेमेतरा के अध्यक्ष विजय सिन्हा अध्यक्षता कर रहे थे। समारोह में निषाद समाज के जिला अध्यक्ष दिलीप निषाद, भाजपा शहर अध्यक्ष युगल देवांगन, लोक निर्माण विभाग सभापति पंचू साहू, पार्षद श्रीमती खिलेश्वरी शिव पाटिल, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष एवं निषाद समाज संगठन सचिव रेवाराम निषाद सहित जनप्रतिनिधि, समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। लोकार्पण समारोह के दौरान "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण भी किया गया।

उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने कहा कि निषाद समाज की वर्षों पुरानी मांग पूरी होना खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि सामुदायिक भवन केवल एक भवन नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, सामाजिक बैठकों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और विभिन्न गतिविधियों के संचालन का सशक्त केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी, भवन निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्य निरंतर किए जा रहे हैं। प्रत्येक समाज और वर्ग तक विकास की सुविधाएं पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। विधायक ने विश्वास दिलाया कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए उनके प्रयास आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि नगर पालिका परिषद बेमेतरा शहर के विकास के साथ-साथ सभी समाजों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है। निषाद समाज का यह सामुदायिक भवन सामाजिक गतिविधियों के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि विधायक दीपेश साहू के सहयोग से नगर में लगातार विकास कार्यों को गति मिल रही है तथा भविष्य में भी जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा।कार्यक्रम के दौरान निषाद समाज के पदाधिकारियों एवं सामाजिक बंधुओं ने सामुदायिक भवन की सौगात के लिए विधायक दीपेश साहू, नगर पालिका परिषद तथा प्रशासन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी नरेश कुमार वर्मा, पार्षद विकास तंबोली, राजकुमार खाएडे, रवि कुम्भार मुलवानी, सजनी यादव, चांदनी रोशन दत्ता, नीतू कोठारी, गौरव साहू, सिमरन ताम्रकार सहित नगर पालिका के अधिकारी- कर्मचारी, निषाद समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

हितेन्द्र कुमार बंजारे ने संभाला नवागढ़ बीईओ का पदभार

नवागढ़। हितेन्द्र कुमार बंजारे ने मंगलवार को विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) नवागढ़ के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। लंबे शैक्षणिक अनुभव और प्रशासनिक समझ रखने वाले बंजारे के नेतृत्व में विकासखंड में शिक्षा की गुणवत्ता को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

इससे पहले बंजारे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गाड़ामोर, नवागढ़ में प्राचार्य के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण, शैक्षणिक गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे। बंजारे ने विकासखंड के सभी प्राचार्यों, संकुल समन्वयकों और शिक्षकों से बेहतर समन्वय एवं टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी के सहयोग से नवागढ़ को शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाई जा सकेगी और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा।

महापौर निधि के एक साल में 1.12 करोड़ के काम स्वीकृत, ज्यादातर अधूरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार की अध्यक्षता में महापौर कक्ष में शहर में संचालित विकास कार्यों की समीक्षा हेतु महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम क्षेत्र में चल रहे एवं प्रस्तावित विकास कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत व महापौर निधि के किए जा रहे कार्यों, सड़क डामरीकरण, सीमेंट कांक्रीट सड़कों, नाली-पुलिया निर्माण, स्ट्रीट लाइट, पेवर ब्लॉक, पेयजल व्यवस्था एवं शहर के सौंदर्यीकरण से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। बाघमार ने अधिकारियों से विभिन्न योजनाओं की अद्यतन प्रगति रिपोर्ट प्राप्त की तथा कार्यों को निर्धारित समयसीमा एवं मानक गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में विकास कार्यों की गति और गुणवत्ता दोनों पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने महापौर निधि से स्वीकृत कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से जानकारी ली कि एक वर्ष में प्राप्त 1.12 करोड़ की राशि से कितने कार्य पूर्ण हुए हैं तथा कितने कार्य प्रगतिरत अथवा शेष हैं। उन्होंने पुराने कार्यों के साथ-साथ नवीन स्वीकृत कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए।

महापौर ने कहा- विकास कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं, जिम्मेदारों पर होगी कार्रवाई

कार्य के दौरान उपयोग की जाने वाली सामग्रियों की भी हो जांच

महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में उपयोग होने वाली सामग्री की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए तथा ठेकेदारों को निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएं। उन्होंने कहा कि अधिकारी स्वयं फील्ड में उपस्थित रहकर निर्माण कार्यों की सतत निगरानी करें ताकि नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं मिल सकें।भूमिपूजन के उपरांत संबंधित स्थल पर शिलापट्ट स्थापित करने तथा कार्य की प्रगति का फोटोग्राफिक रिकॉर्ड संधारित कर जानकारी साझा करने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी अधिकारी एवं निर्माण एजेंसियां समन्वय के साथ कार्य करें।

हर काम की होगी जांच, शिकायत सही मिलने पर होगी कार्रवाई

लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने कहा कि नगर निगम द्वारा संचालित विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। जनहित के सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कर नागरिकों को लाभान्वित किया जाएगा। बैठक में निगम के संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक के दौरान लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, शेखर चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, मोहम्मद सलीम सिद्दीकी, सहायक अभियंता संजय ठाकुर, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, पंकज साहू,विनोद मांझी,अपर्णा मिश्रा सहित अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

शुल्क बढ़ने से गरीबों के बच्चे होंगे शिक्षा से वंचित

दुर्ग। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के द्वारा 10 वीं 12 वीं फीस में 100% से 150% तक की गई बढ़ोतरी को दुर्ग भिलाई पालक संघ अध्यक्ष नासिर खोखर ने अनुचित ठहराते हुए फीस बढ़ोत्तरी को वापस लेने की मांग की है। सरकार और शिक्षा विभाग द्वारा नर्सरी केजी 1, केजी 2 को आरटीई से हटा दिया गया। अब फीस में बढ़ोत्तरी दिखाता है की सरकार नहीं चाहती की गरीब के बच्चे भी शिक्षा ग्रहण करे , पूरा प्रदेश साक्षर बने अभी नियमित छात्रों की फीस 460 से बढ़ाकर 800, प्राइवेट छात्रों को 2000 रुपए कर दिया गया है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 आवेदन पत्र शुल्क 80 से बढ़ाकर 150 रुपए, प्राइवेट छात्रों का सामान्य विलंब शुल्क 770 से बढ़ाकर 1000 रुपए किया गया है। नई व्यवस्था के तहत नियमित छात्रों की कुल परीक्षा फीस 460 रुपए से बढ़ाकर 800 रुपए कर दी गई है। यानी छात्रों को अब पहले की तुलना में 340 रुपए अधिक चुकाने होंगे। उन्होंने मांग की है कि इस अनुचित फीस बढ़ोतरी को वापस लियाा जाए। ताकि गरीबों के बच्चों शिक्षा से वंचित न हों।

संस्कार, संस्कृति से जुड़ेगा विद्यार्थी जीवन

दुर्ग। प्रदेश के सभी विद्यालयों में राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, दीप मंत्र, सरस्वती वंदना, गुरु मंत्र, महापुरुषों की जीवनी का वाचन, मध्यान्ह भोजन मंत्र, राज्यगीत, गायत्री मंत्र एवं शांति मंत्र के नियमित आयोजन संबंधी जारी आदेश का भाजपा ने स्वागत किया है। इसे एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी निर्णय बताया है। प्रवक्ता नितेश साहू ने कहा कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होती, बल्कि उसका उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना भी होता है। वर्तमान समय में बच्चों को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों, अनुशासन, राष्ट्रप्रेम एवं सामाजिक दायित्वों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। छत्तीसगढ़ सरकार का यह निर्णय विद्यार्थियों में संस्कारों के बीजारोपण के साथ-साथ उन्हें अपनी सभ्यता, संस्कृति और महान परंपराओं से जोड़ने का कार्य करेगा।

ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए तैयार की जा रही कार्ययोजना

दुर्ग। विकसित भारत जी-राम-जी के अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 15 एवं 16 जून को किया जा रहा है। सोमवार को इसकी शुरुआत हुई। प्रशिक्षण का उद्देश्य विकसित भारत के संकल्पों एवं कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की क्षमता संवर्धन करना, कार्यक्रम के विभिन्न घटकों की जानकारी प्रदान करना तथा ग्राम स्तर पर योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए आवश्यक कौशल विकसित करना है। प्रशिक्षण में दुर्ग संभाग के दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई तथा मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिलों के सहायक परियोजना अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी सहभागी हैं। मास्टर ट्रेनर एवं सहायक परियोजना अधिकारी द्वारा विकसित ग्राम पंचायत योजना के प्रमुख उद्देश्यों एवं घटकों की जानकारी दी गई।

न्यायालयः- माला यादव व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ श्रेणी, साजा जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// समंस //

अदालत जनाबः- मुकदमा नंबरः- वाद क्र.- 24अ/2026प्रोसेस नंबरः- 196/2026

अशोक यादव वगै. - मुद्दई
आमजनता - मुद्दालेह

बनामः- 1. आम जनता।

अशोक यादव ने आपके विरूद्ध "सिविल डेथ की घोषणा बाबत" का मुकदमा दायर किया है। आपको इस न्यायालय में पेशी तारीख 04.07.2026 को दिन में 11:00 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गए हों और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेजें जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिस पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हों, अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों की, लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।

यदि पेशी तारीख को किसी कारणवश अवकाश रहता है तो आगामी कार्य दिवस पर सुनवाई की जायेगी।

यह आज तारीख 29.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

(माला यादव)
मुहर
व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी
साजा, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जिला स्तरीय परियोजना समिति की ली बैठक

पोल्ट्री फार्म की 39 एकड़ जमीन पर रिडेवलपमेंट प्लान, सरकारी आवास के साथ आक्सीजोन का विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय परियोजना समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में छत्तीसगढ़ शासन के आवास एवं पर्यावरण विभाग द्वारा जारी रिडेवलपमेंट पॉलिसी के तहत विभिन्न शासकीय विभागों, मंडलों, निगमों एवं बोर्डों की भूमि पर स्थित जर्जर शासकीय परिसंपत्तियों के पुनर्विकास संबंधी प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिले में प्रस्तावित रिडेवलपमेंट योजना के तहत कम्पोजिट बिल्डिंग निर्माण, ऑक्सीजोन विकास और नए पोल्ट्री फार्म की स्थापना जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं की तैयारी की जा रही है।

बैठक में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल, संभाग दुर्ग द्वारा सिविल लाइंस के समीप ग्राम कसारीडीह स्थित पशुपालन विभाग के 39.01 एकड़ क्षेत्र में संचालित शासकीय पोल्ट्री फार्म के रिडेवलपमेंट का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। प्रस्ताव के अनुसार वर्तमान पोल्ट्री फार्म को ग्राम अंजोरा में स्थानांतरित किया जाएगा तथा कसारीडीह स्थित भूमि का आवासीय, व्यावसायिक एवं सार्वजनिक उपयोग के लिए समग्र विकास किया जाएगा। ग्राम अंजोरा में आधुनिक सुविधाओं से युक्त नए पोल्ट्री फार्म की स्थापना की जाएगी। इसके लिए 27 एकड़ भूमि आवंटित की जा चुकी है। परियोजना के तहत ब्रिडर शेड, ग्रोवर शेड, हैचरी, फीड प्लांट, कार्यालय भवन, आवासीय क्वार्टर, बाउंड्रीवॉल एवं अन्य आवश्यक अधोसंरचना का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना की अनुमानित लागत 63.24 करोड़ रुपये है।

कलेक्टोरेट में प्रस्तावित कंपोजिट बिल्डिंग को लेकर भी हुई चर्चा

कलेक्टोरेट में कंपोजिट बिल्डिंग पर खर्च होंगे 40 करोड़, बन रहा प्लान

बैठक में जिले में प्रस्तावित कम्पोजिट बिल्डिंग निर्माण पर भी चर्चा की गई। प्रस्ताव के अनुसार परियोजना की लागत 22.46 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 40 करोड़ रुपये किए जाने का प्रस्ताव है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा हाल ही में दुर्ग में कम्पोजिट बिल्डिंग निर्माण की घोषणा के बाद इस परियोजना को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। भवन निर्माण का कार्य छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा किए जाने का प्रस्ताव रखा गया है।

5 एकड़ में बनेगा नया ऑक्सीजन जोन सैर-सपाटे के लिए मिलेगी जगह

योजना के तहत 27.50 एकड़ भूमि पर आवासीय एवं व्यावसायिक विकास, शहरवासियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 5 एकड़ भूमि पर ऑक्सीजोन विकसित रखने का प्रस्ताव रखा गया है। इस ऑक्सीजोन का विकास कार्य पूर्ण होने के बाद नगर निगम को हस्तांतरित किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि नई योजना के तहत जी.ई.डी. आवासों की संख्या 216 से बढ़ाकर 336 जीएडी आवास गृह प्रस्तावित है। बैठक में जिला परियोजना समिति ने विभिन्न प्रस्तावों पर विचार-विमर्श करते हुए आवश्यक सुझाव दिए तथा आगे की कार्यवाही के लिए सहमति प्रदान की। बैठक में नगर निगम के अधिकारी, पशुपालन विभाग, लोक निर्माण विभाग, नगर एवं ग्राम निवेश विभाग तथा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री गजेंद्र यादव की प्रेरणा से 48 युवाओं ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶दुर्ग

शहर विधायक और केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव के जन्मदिन पर 48 युवाओं ने रक्तदान किया। गजेंद्र यादव की प्रेरणा से इन लोगों को रक्तदान कर लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित किया। इस विशेष दिन पर पूर्व मुख्यमंत्री और विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह शामिल हुए। इस अवसर पर कान्हा जी महाराज की टीम द्वारा सुन्दर भजन संध्या की प्रस्तुति दी गई। इसके पश्चात देर शाम तक प्रसिद्ध गायक सुनील सोनी और उनके साथ कलाकारों की टीम ने छत्तीसगढ़ी गीत संगीत की सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। रक्तदान करने वाले युवाओ को संस्था द्वारा निःशुल्क हेलमेट और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। समारोह में वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन, विधायक ललित चंद्राकर, विधायक डोमनलाल कोर्सवाड़ा, पूर्व विधायक सांवला राम डाहरे, पूर्व मंत्री रामशीला साहू, पूर्व विधायक डॉ. दयाराम साहू, अपैक्स बैंक से भरत वर्मा, महापौर अलका बाघमार, खादी ग्रोमोद्योग के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय, इंद्रजीत सिंह, लोक शिक्षण संचालक ऋतुराज रघुवंशी, समग्र शिक्षा प्रबंध संचालक किरण कौशल, पुष्पा साहू, छत्तीसगढ़ तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू, जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, दुर्ग संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौड़, दुर्ग आईजी अभिषेक सांडिल्य, कलेक्टर अभिजीत सिंह, एसपी विजय अग्रवाल सहित अन्य शामिल हुए।

पेज 15 के शेष

जल जीवन मिशन की ..

स्थानों पर सड़क की सतह इतनी असमान हो गई है कि वाहन चालक संतुलन खोकर गिर रहे हैं। गहरे गड्ढों और धंसी हुई सड़कों के कारण आए दिन छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं। रात के समय स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। पर्याप्त संकेतक या सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने से राहगीरों को क्षतिग्रस्त हिस्सों का अंदाजा नहीं लग पाता। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सुधार कार्य नहीं हुआ तो बरसात के दौरान बड़ी दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता।

बरसात में और ...

की जिम्मेदारी भी तय की जानी चाहिए थी। लेकिन अब तक न तो सड़कों के पूर्ण पुनर्निर्माण की कोई स्पष्ट योजना सामने आई है और न ही जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा स्थिति का गंभीरता से संज्ञान लिया गया है। परियोजना के तहत पेयजल आपूर्ति का कार्य प्रगति पर है, लेकिन सड़कों की दुर्दशा ने विभागीय निगरानी और गुणवत्ता नियंत्रण पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग होती तो आज सड़कों की यह स्थिति नहीं होती। लोगों का आरोप है कि निर्माण एजेंसी केवल पाइपलाइन बिछाने तक सीमित रही, जबकि सड़कों की मरम्मत और सुरक्षा प्रबंधन को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। इससे यह सवाल उठ रहा है कि करोड़ों रुपये की परियोजना में गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है। क्षेत्र के ग्रामीणों ने प्रशासन और पीएचई विभाग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि प्रभावित सभी सड़कों का तकनीकी मानकों के अनुरूप पुनर्निर्माण और डामरीकरण कराया जाए तथा निर्माण एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच कर कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। उनका कहना है कि पेयजल योजना का लाभ स्वागतयोग्य है, लेकिन इसके नाम पर लोगों की सुरक्षा और सार्वजनिक संपत्तियों की अनदेखी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी।

अवैध खनिज उत्खनन और ...

एवं खनिज विभाग का कहना है कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा राजस्व की हानि रोकने के उद्देश्य से यह अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों द्वारा वाहनों की जांच, खनिज परिवहन से संबंधित दस्तावेजों का सत्यापन तथा संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

साइबर अपराधों की ...

का पूर्ण रूप से प्रशिक्षित और तकनीकी रूप से दक्ष होना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मांगी गई जानकारी एवं प्रतिवेदन निर्धारित समय-सीमा के भीतर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों को प्राथमिकता में रखते हुए आंकड़ों का डिजिटलीकरण, उनका सुरक्षित प्रबंधन तथा साइबर सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना वर्तमान समय की आवश्यकता है। साथ ही डिजिटल साक्ष्यों के सुरक्षित संरक्षण एवं साइबर अपराधों की जांच में आने वाली कानूनी और तकनीकी चुनौतियों की भी विस्तार से जानकारी दी। डीआईजी साहू ने साइबर ठगी की घटनाओं में राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को समझने तथा प्राप्त शिकायतों पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

0 पोर्टलों के संचालन की दी गई विस्तृत जानकारी

कार्यशाला में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (बेरला) विनय कुमार ने शिकायत निवारण प्रणाली एवं धन वापसी प्रबंधन प्रणाली के संचालन, उपयोग और शिकायतों के निराकरण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए विभिन्न व्यावहारिक पहलुओं पर भी चर्चा की गई।

अधिकारी-कर्मचारी रहे उपस्थित

कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) राजेश कुमार झा, पुलिस उपाधीक्षक कौशिल्या साहू, पुलिस उपाधीक्षक शशीकला उईके, रीडर-1 निरीक्षक कृष्णकांत सिंह सहित साइबर प्रकोष्ठ, थाना एवं चौकी प्रभारियों, प्रशिक्षु उप निरीक्षकों, प्रधान आरक्षकों, आरक्षकों तथा सीसीटीएनएस संचालकों सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

समय-सीमा बैठक में ...

दिए। वहीं मनरेगा कार्यों, श्रमिकों के रोजगार और भुगतान की स्थिति की समीक्षा कर समय पर मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करने को कहा। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूरा कराने और हितग्राहियों को समय पर किश्त भुगतान करने के निर्देश भी दिए गए। शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की भी समीक्षा स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान जिला अस्पताल, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं की उपलब्धता, संस्थागत प्रसव, टीकाकरण और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी ली गई। आयुष्मान भारत योजना के पात्र हितग्राहियों को लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों की गतिविधियों, पोषण पुनर्वास और सुपोषण अभियान की प्रगति पर चर्चा हुई। नए शिक्षण सत्र को देखते हुए कलेक्टर ने सभी स्कूलों में पेयजल, शौचालय, बिजली, फर्नीचर और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही शाला गणवेश एवं पाठ्यपुस्तकों का समय पर वितरण करने पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी विद्यार्थी को अध्ययन से वंचित नहीं रहना चाहिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ, अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर, सभी एसडीएम सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूल प्रवेश उत्सव के दिन बदहाल ....

विकास समितियों द्वारा औपचारिकताएं पूरी करते हुए केवल फोटो खिंचवाने तक कार्यक्रम सीमित रहने की चर्चा भी सामने आई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विद्यालयों की मूलभूत समस्याओं की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति भी अपेक्षा से कम रही। जहां हजारों विद्यार्थियों का नामांकन दर्ज है, वहां कई स्कूलों में मात्र 35 से 40 विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई। शिक्षकों ने बताया कि विद्यालयों में व्याप्त कमियों और अव्यवस्थाओं के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी को पूर्व में भी अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। भारत माता कन्या विद्यालय सहित कुछ अन्य विद्यालयों में पेयजल व्यवस्था भी चिंताजनक स्थिति में बताई गई। विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं है। वहीं शौचालयों की दुर्दशा बच्चों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि विद्यालयों की स्वच्छता एवं रखरखाव के लिए शासन द्वारा प्रदान की जाने वाली राशि का समुचित उपयोग नहीं हो रहा है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन और संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं में सुधार की मांग की है। इस संबंध में जब जिला शिक्षा अधिकारी के.चतुर्वेदी से चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि मामले की जानकारी मिली है। संबंधित प्राचार्यों से चर्चा कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी तथा जल्द ही व्यवस्थाओं को दुरुस्त कराया जाएगा।

बिजली दर वृद्धि जनता पर....

करते हुए कहा कि आम जनता को राहत देने के बजाय उस पर नए-नए आर्थिक बोझ डाले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी बिजली दर वृद्धि के खिलाफ जनहित में आंदोलन करेगी। इसी क्रम में जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा द्वारा 17 जून को विद्युत मंडल कार्यालय का घेराव एवं पुतला दहन किया जाएगा। वहीं 18 जून को प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर बिजली दर वृद्धि के मुद्दे पर कांग्रेस का पक्ष रखा जाएगा। छाबड़ा ने जिले के नागरिकों से आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

दादा-दादी, नाना- नानी पार्क हो रहा खंडहर, पूर्व पार्षदों ने जताई चिंता

हरिभूमि न्यूज ▶▶दुर्ग

कांग्रेस के पूर्व पार्षदों ने दादा-दादी, नाना-नानी पार्क का भ्रमण कर उसकी दुर्दशा का जायजा लिया और इस बात पर गहरी चिंता जताई कि नगर निगम प्रशासन की अनदेखी के कारण कभी शहर की सुंदरता में चार चांद लगाने वाला यह बहुपयोगी पार्क संधारण के अभाव में खंडहर के रूप में तब्दील होता जा रहा है। गौरतलब है कि 2008 में तात्कालीन महापौर सरोज पांडेय ने एसपी बंगले के सामने इस पार्क का निर्माण कराया था। जहां बच्चे, बूढ़े और महिलाएं सब आया करते थे। मार्निंग वाक और योगा करते थे। हरियाली लोगों को लुभाती थी। पेड़ पौधों पर की गई लाईटिंग आकर्षण का केन्द्र हुआ करती थी। पीने का पानी सुलभ कराने कलात्मक अमृत कलश बना गया था। जिसे अब स्टोर बना दिया गया है। लाईटिंग व्यवस्था तहस नहस हो गई है। गार्डन के निचले हिस्से में गढ्ढे पड़ गए हैं जिससे बारिश के मौसम में इसका आधा हिस्सा जलमग्न हो जाता है। मजबूरन लोगों को सड़क पर योगा करना पड़ता है और मुस्कान मित्र मंडल संस्था को भी सड़क पर अपना नियमित कार्यक्रम करना पड़ता है। पूरा पार्क खंडहर बनता जा रहा है और अपनी उपयोगिता खोता जा रहा है। पूर्व नेता लिखन साहू, पूर्व पार्षद अमृत लोढ़ा, डॉक्टर छत्रसाल गायकवाड, संजय सिंह, भोला महोबिया, मनोज चंद्राकर, अनिल देवांगन, मनीष यादव, सुरेंद्र ठाकुर, राजकुमार वर्मा, युवराज ठाकुर, आदि ने मांग की है कि बारिश के पूर्व पार्क में मुरम या डस्ट डाल कर समतलीकरण किया जाए। अन्य संधारण कार्य कर उसे व्यवस्थित किया जाए।

- पार्क को व्यवस्थित करने की रखी मांग

बारिश पूर्व नाली-नालों की सफाई करने अधिकारी व कर्मचारियों को दिये निर्देश

दुर्ग। विधायक ललित चंद्राकर ने मानसून से पूर्व विधानसभा क्षेत्र के सभी नगरीय निकायों, ग्राम पंचायतों और संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को नाली, नाला और जलभराव वाले स्थानों की प्राथमिकता से सफाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान आम जनता को जलभराव की समस्या से न जूझना पड़े, इसके लिए अभी से ठोस तैयारी जरूरी है। विधायक ललित चंद्राकर ने को अधिकारियों निर्देशित करते हुए में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन के संकल्प को जमीनी स्तर पर उतारना हम सबकी जिम्मेदारी है। पिछले वर्षों में कई स्थानों पर नालियों की समय पर सफाई न होने से सड़कों पर पानी भरने के साथ ही बीमारियों का खतरा था। इस बार ऐसी स्थिति बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

कोक ओवन गैस में बाय प्रोडक्ट की मात्रा हो नियंत्रित

भिलाई। सीटू यूनियन ने भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक के नाम मुख्य महाप्रबंधक (कोक ओवन एवं सीसीडी) से मिलकर कोक ओवन गैस में अमोनिया, टार और नेफ्थलीन को नियंत्रण ना कर पाने के कारण कर्मियों की सुरक्षा को देखते हुए कोक ओवन गैस पाइप लाइन में ब्लॉकेज रोकने की मांग की है। यूनियन ने ज्ञापन में बताया है कि निर्धारित मानकों पर ध्यान नहीं दिए जाने से गैस पाइपलाइनों में अमोनियम लवणों का जमाव में अवरोध होने पर गैस प्रवाह प्रभावित होने की आशंका बढ़ जाती है। रासायनिक यौगिक पाइपलाइनों और उपकरणों में जंग लगने से पाइपों की आयु कम होने, रखरखाव लागत बढ़ने तथा तकनीकी खराबियों की आशंका बढ़ जाती है।

स्पर्धा में छग टीम ने जीते 7 पदक, प्रभाष व जीतेश बने स्ट्राँग मेन

दुर्ग। पॉवर लिफ्टिंग एसोसियेशन गोंदिया महाराष्ट्र और यूनाईटेड पॉवर लिफ्टिंग एसोसिशन के संयुक्त तत्वाधान में वेस्ट जोन पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन गोंदिया में 12 से 14 जून तक किया गया। इसमें दुर्ग की टीम ने छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हुए कुल 5 स्वर्ण, 2 रजत पदक जीतकर दुर्ग शहर और छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। वहीं प्रभाष कुमार नेताम और जीतेश यादव स्ट्रॉग मेन का खिताब जीता है। इसके पूर्व भी इन खिलाड़ियों ने सक्ति में भी स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीता है। इस प्रतियोगिता में भी प्रभाष कुमार नेताम स्ट्रांगमेन ऑफ छत्तीसगढ़ के खिताब से नवाजे गये थे।

प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने का आह्वान, किसानों को दिलाई गई शपथ

प्राकृतिक एवं जैविक खेती पर कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बेमेतरा

किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती के प्रति जागरूक करने तथा टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले के टाउन हॉल में प्राकृतिक एवं जैविक खेती कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले भर के बड़ी संख्या में कृषकों, कृषि वैज्ञानिकों, कृषि विभाग के अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय श्रीवास्तव अध्यक्ष नागरिक आपूर्ति निगम रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में दीपेश साहू, विधायक , प्रहलाद रजक अध्यक्ष रजककार बोर्ड छत्तीसगढ़ शासन, कल्पना योगेश तिवारी अध्यक्ष जिला पंचायत तथा विजय सिन्हा, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बेमेतरा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अजय साहू, जिला अध्यक्ष भाजपा ने की, जबकि कार्यक्रम का समन्वयन युवराज ठाकुर, जिला अध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. चौलेश्वर चंद्राकर, संभाग प्रभारी भाजपा किसान मोर्चा तथा राकेश तिवारी, महामंत्री भाजपा किसान मोर्चा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों द्वारा जिले के विभिन्न कृषि एवं कृषि संबद्ध विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी इकाइयों के अवलोकन से हुआ। इसके पश्चात कृषि एवं किसान संस्कृति के प्रतीक दाऊ भगवान बलराम की पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने किसानों से प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने का आह्वान किया। कृषि विज्ञान केंद्र बेमेतरा के कृषि वैज्ञानिक डॉ. चंद्रशेखर खरे ने जैविक खाद निर्माण एवं उसके वैज्ञानिक प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाकर मिट्टी को अधिक उर्वर बनाया जा सकता है तथा ह्यूमस बढ़ाकर मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों की मात्रा में वृद्धि की जा सकती है। उन्होंने किसानों को वर्मीकंपोस्ट, वर्मीवॉश, प्रक्षेत्र गोबर खाद, नाडेप खाद तथा हरी खाद जैसे ढैंचा, सनई एवं मूंग के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के तकनीकी मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक प्राकृतिक एवं जैविक खेती कर रहे प्रगतिशील कृषकों रोहित पटेल (ग्राम कंदई) एवं मोहित साहू (ग्राम पड़कीडीह) ने अपने अनुभव साझा किए। वहीं कृषि वैज्ञानिक डॉ. जितेंद्र जोशी एवं संजय मानिकपुरी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए अवशेष प्रबंधन की वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी दी तथा आधुनिक एवं लाभकारी खेती के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। डॉ. डोमन सिंह टेकाम ने जैविक खेती के विभिन्न घटकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की, जबकि डॉ. लव कुमार ने जैविक कल्चर के प्रयोग एवं उपयोग विधि पर किसानों का मार्गदर्शन किया। उप संचालक कृषि श्री मोरध्वज डड़सेना ने सभी अतिथियों, कृषि वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं किसानों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं आयोजन में सहायक संचालक कृषि श्यामलाल साहू, कार्यक्रम सहायक शिवकुमार सिन्हा, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विजय टंडन, कृषि विस्तार अधिकारी मयाराम दिनकर, सतवन नवरंगे सहित कृषि विज्ञान केंद्र के मिलाप, कमलेश, राजेश पाठक, शिवशंकर, गोकुल, कृष्णा साहू एवं धर्मेंद्र यदु का विशेष योगदान रहा। कार्यशाला में जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए किसानों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए प्राकृतिक एवं जैविक खेती की नवीन तकनीकों की जानकारी प्राप्त की तथा पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ कृषि व्यवस्था के लिए प्राकृतिक खेती को अपनाने का संकल्प लिया।

प्राकृतिक खेती केवल विकल्प नहीं, आने वाले समय की आवश्यकता है : संजय श्रीवास्तव

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरी दुनिया रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों से चिंतित है। लगातार रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के बढ़ते उपयोग से जहां मिट्टी की उर्वरता प्रभावित हुई है, वहीं मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। ऐसे समय में प्राकृतिक एवं जैविक खेती किसानों के लिए एक सुरक्षित, लाभकारी और टिकाऊ विकल्प बनकर उभर रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है और यहां के किसानों की समृद्धि ही प्रदेश की खुशहाली का आधार है। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने तथा खेती को लाभकारी बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगातार कार्य कर रही है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। श्रीवास्तव ने कहा कि प्राकृतिक खेती अपनाने से उत्पादन लागत में उल्लेखनीय कमी आती है, क्योंकि किसान स्थानीय संसाधनों जैसे गोबर, गौमूत्र, जैविक अवशेषों और पारंपरिक तकनीकों का उपयोग कर खेती कर सकते हैं। इससे किसानों की रासायनिक खाद और महंगे कृषि आदानों पर निर्भरता कम होती है तथा खेती अधिक आत्मनिर्भर बनती है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे खेती को केवल उत्पादन तक सीमित न रखें, बल्कि मिट्टी, जल और पर्यावरण के संरक्षण को भी अपनी जिम्मेदारी समझें। मुख्य अतिथि ने कहा कि आज बाजार में जैविक उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है। यदि किसान वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में जैविक एवं प्राकृतिक खेती को अपनाते हैं तो उन्हें अपने उत्पादों का बेहतर मूल्य प्राप्त होगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

शासकीय पीजी कॉलेज में शुरू होगा एलएलबी पाठ्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बेमेतरा

जिले के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। शासकीय पंडित जवाहरलाल नेहरू कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महा विद्यालय में अब बैचलर ऑफ लॉ (एलएलबी) पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा। लंबे समय से जिले में कानून की पढ़ाई की मांग कर रहे विद्यार्थियों और अभिभावकों की यह बहुप्रतीक्षित मांग पूरी होने जा रही है। इस निर्णय को जिले के शैक्षणिक विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने इस उपलब्धि के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा, तथा कैबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा सहित राज्य शासन का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सरकार के सकारात्मक सहयोग और संवेदनशील दृष्टिकोण के कारण जिले के युवाओं को यह महत्वपूर्ण शैक्षणिक सुविधा मिल सकी है।

■ जिले के विद्यार्थियों को मिलेगा कानून की पढ़ाई का अवसर

विधायक दीपेश साहू ने कहा कि बेमेतरा के विद्यार्थियों को अब कानून की पढ़ाई के लिए रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर या अन्य बड़े शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। विशेष रूप से ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा, क्योंकि उन्हें अपने ही जिले में गुणवत्तापूर्ण विधि शिक्षा उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने कहा कि एलएलबी पाठ्यक्रम का संचालन केवल एक नए विषय की शुरुआत नहीं है, बल्कि यह जिले के युवाओं के भविष्य को नई दिशा देने वाला निर्णय है। कानून की शिक्षा विद्यार्थियों में संवैधानिक मूल्यों, अधिकारों और न्याय व्यवस्था के प्रति समझ विकसित करती है। इसके माध्यम से युवा अधिवक्ता, न्यायिक सेवा, विधि अधिकारी, कानूनी सलाहकार तथा प्रशासनिक सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में करियर बना सकेंगे। विधायक ने कहा कि किसी भी क्षेत्र के समग्र विकास में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जब उच्च शिक्षा के नए अवसर स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होते हैं, तो उसका लाभ आने वाली पीढ़ियों को भी मिलता है। एलएलबी पाठ्यक्रम की शुरुआत से बेमेतरा जिले में शैक्षणिक वातावरण को मजबूती मिलेगी और युवाओं के लिए रोजगार एवं आत्मनिर्भरता के नए द्वार खुलेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पहल बेमेतरा को भविष्य में उच्च शिक्षा के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दे रही है, जिसका लाभ प्रदेश के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच रहा है।

सॉस फैक्ट्री पर खाद्य विभाग की दबिश, जांच के लिए भेजे गए सैंपल

भिलाई। खाद्य और औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने भिलाई के फरीदनगर स्थित एक सॉस निर्माण इकाई पर छापामार कार्रवाई कर उत्पाद के नमूने जांच के लिए भेजे हैं। खाद्य और औषधि प्रशासन विभाग के अभिहित अधिकारी जितेन्द्र नेले के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी ऋचा शर्मा व उनकी टीम ने फरीदनगर में संचालित जीएफ फूड प्रोडक्ट कंपनी में निरीक्षण किया। यह इकाई मो. गुलाम द्वारा संचालित की जा रही है, जहां वेजिटेबल सॉस का निर्माण किया जाता है। विभाग को पिछले कुछ दिनों से कंपनी के उत्पादों की गुणवत्ता को लेकर शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। शिकायतों के आधार पर टीम ने फैक्ट्री पहुंचकर जांच की और वेजिटेबल सॉस के नमूने एकत्रित किए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने सैंपल को परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेज दिया है।

दीवार रंगने को लेकर विवाद, कटर से हमला

भिलाई। मोहर्रम की तैयारियों को लेकर कमेटी के सदस्यों के बीच विवाद होने का मामला सामने आया है। घटना भिलाई नगर थाना क्षेत्र का है।पुलिस ने बताया कि सेक्टर-6 ए मार्केट सड़क नंबर 35/36 स्थित शेरे इस्लाम अखाड़ा इमामबाड़ा समिति में यह घटना हुई। समिति के सदस्य मोहम्मद इजहार और वसीम परवेज के बीच इमामबाड़ा (ताजिया रखने वाले चबूतरे) की पेंटिंग को लेकर विवाद हो गया। इमामबाड़े की पेंटिंग को लेकर दोनों पक्षों के बीच मतभेद था। वसीम परवेज इमामबाड़े को लाइट ग्रीन रंग से पेंट करवाना चाहता था। जबकि मोहम्मद इजहार डार्क ग्रीन रंग कराने के पक्ष में था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हुआ। बताया गया है कि रविवार को क्रिकेट खेलकर लौट रहे इजहार से इसी बात को लेकर वसीम परवेज की कहासुनी हुई थी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों के बीच गाली-गलौज के बाद मारपीट भी शुरू हो गई। 14 जून की सुबह दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई। विवाद बढ़ने पर वसीम परवेज ने मोहम्मद इजहार खान पर कटर से हमला कर दिया।